प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० को लागू करने की रणनीति पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति के साथ चर्चा

पंतनगर। 29 जनवरी 2021। विश्वविद्यालय में स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'सामुदायिक विज्ञान पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की रणनीति' विषय पर गृह विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रबंधन प्राध्यापिका, वस्त्र एवं परिधान विज्ञान, डा. अनिता रानी द्वारा किया गया। अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान, डा. अल्का गोयल, ने स्वतंत्रता के बाद से देश में लागू किये गए सभी शिक्षा नीतियों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आज के समय की आवश्यकता बताया गया। अधिष्ठाता कृषि एवं पी.आई. नाहेप, डा. एस.के. कश्यप ने शिक्षा नीतियों,एवं सात दशकों विश्वविद्यालय में शिक्षा नीतियों में हुए बदलावों की जानकारी देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति से उच्च शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को होने वाले लाभों को भी बताया।

अधिष्ठात्री, सामुदायिक एवं औपचारिक विज्ञान महाविद्यालय एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर, डा. मीनू श्रीवास्तव, ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वर्तमान की शिक्षा नीति को नई शिक्षा नीति २०२० से तुलना करते हुए शिक्षा के समस्त स्तरों जैसे प्राथमिक, उच्च माध्यमिक व स्नातक-स्नातकोत्तर स्तर में आने वाले बदलावों की जानकारी दी। कुलपति, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू, डा. जे.पी. शर्मा ने कृषि एवं सामुदायिक विज्ञान में शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। पूर्व निदेशक, इन्स्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली, डा. कुमुद खन्ना ने गृह विज्ञान को अनूठा विषय बताते हुए कहा कि गृह विज्ञान विषय का पाठ्यक्रम हमेशा ही परिवार के साथ-साथ देश के विकास पर भी केंद्रित रहा है और वर्तमान में इसके पाठ्यक्रम को किसी एक कौशल पर केंद्रित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें।

कुलपति, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल, डा. सब्बू थॉमस, ने नई शिक्षा नीति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा नीति को रोजगार-परक बनाने पर प्रकाश डाला। पूर्व अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. रीता सिंह रघुवंशी, ने सामुदायिक विज्ञान विषय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति के सभी बिंदुओं की जानकारी दी। डा. रघुवंशी द्वारा शोध कार्य को आवश्यकता-परक बनाने पर बल दिया गया। सलाहकार समिति के सदस्यों की चर्चा के उपरान्त गृह विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सामुदायिक विज्ञान पाठ्यक्रम में क्रियान्वित संबंधी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम के अंत में सहायक अध्यापिका, खाद्य एवं पोषण विभाग, डा. नीतू डोभाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में गोल्डन जुबली कमेटी एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय के सदस्यों डा. शेफाली मैसी, डा. रागिनी मिश्रा, डा. संध्या रानी व डा. पूजा टम्टा का सहयोग रहा।